www.sgbauonline.com

B.Sc. Part-III (Home Science) Semester-VI Examination

TEXTILE AND CLOTHING—6.4

Paper—364TC41

Time—Three Hours] [Maximum Marks—40

Note :— (1) **ALL** questions are compulsory.
(2) Draw diagrams wherever necessary.

1. Prepare a complete draft of child's bodice basic block. 8

OR

With the help of child's basic block, make a draft of an umbrella frock for party wear. 8

2. Write :
   (i) Define fitting problem. 2
   (ii) Fitting problems occur in armhole. 2
   (iii) Importance of renovation. 2
   (iv) Renovation of old curtain. 2

3. Write :
   (i) Definition of Dart. 2
   (ii) Basic Dart. 2
   (iii) Manipulation of simple sleeve into a design sleeve. 2
   (iv) Types of collars. 2

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

4. Tick mark—True or False :

(i) Pashmina Shawl is a type of Kashmiri Shawl.

(ii) Kantha work is a famous embroidery work of Punjab.

(iii) Lotus and temple designs are very famous in Kasuti of Karnataka.

(iv) The fabric used for chikankari of Lucknow is plain white muslin cloth.

(v) One cannot use horizontal, vertical and diagonal stitches in Phulkari of Punjab.

(vi) Mochi Bharat is a popular name of needle work done in Kutch.

(vii) Left over pieces of any type of fabric are cut and stitched together are called Applique work.

(viii) Namda and Gabha are type of Chamba Rumal. 8

5. Discuss fully traditional textiles of India. 8

OR

Write in detail about costumes of Maharashtra, Punjab, Rajasthan and Gujarat. 8

3. लिखें :

(i) डार्ट की परिभाषा। 2

(ii) मूलभूत डार्ट। 2

(iii) सादे बांही का डिजाइन बांही में परिवर्तन। 2

(iv) कालर्स के प्रकार। 2

4. सही या गलत—मार्क करें :

(i) पशमीना शाल कश्मीरी शाल का एक प्रकार है।

(ii) कांथावर्क पंजाब की प्रसिद्ध कशीदाकारी है।

(iii) कमल एवं मन्दिर डिजाइन कर्नाटक की कसूती के प्रसिद्ध नमूने हैं।

(iv) लखनऊ की चिकनकारी के लिये उपयोग में आने वाला कपड़ा सफेद मसलिन कपड़ा है।

(v) पंजाब की फुलकारी में आड़े, लम्बे व तिरछे टांके नहीं लिये जाते।

(vi) "मोची भरत" कच्छ की सुप्रसिद्ध कशीदाकारी की कला है।

(vii) कपड़ों के बचे हुये टुकड़े जोड़कर बनायी जाने वाली कला को एप्लिक वर्क कहा जाता है।

(viii) नमदा और गाभा चाम्बा रूमाल के प्रकार हैं। 8

5. 'भारत के परंपरागत वस्त्र' इस विषय पर विस्तारपूर्वक लिखें। 8

अथवा

महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान एवं पंजाब के विभिन्न पोषाक के बारे में सविस्तार लिखें। 8

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(मराठी माध्यम)

सूचना :— (1) सर्व प्रश्न सोडवा.

(2) आवश्यकतानूसार आकृत्या काढा.

1. लहान मुलाव्या मूलभूत बाडीज ब्लाक पूर्ण आकृतिसह, विस्तारपूर्वक करून दाखवा. 8

किंवा

उपरोक्त तयार बाडीज बेसिक ब्लाकच्या सहाऱ्यानी एक अम्ब्रेला फ्राकच्या डिजाइन मधे परिवर्तन करून दाखवा. 8

2. लिहा :

(i) फिटिंग समस्याची व्याख्या. 2

(ii) बगलेत निर्माण होणारी फिटिंग समस्या. 2

(iii) नुतनीकरणाचे महत्व. 2

(iv) जुन्या पडदाचे नुतनीकरण. 2

3. लिहा :

(i) डार्टची व्याख्या. 2

(ii) मूलभूत डार्ट. 2

(iii) साद्या बांहयाचे रूपान्तरण डिजाइन बांहया मधे. 2

(iv) कालर्सचे प्रकार. 2

4. चूक की बरोबर—टिक मार्क करा :

(i) पशमीना शाल काश्मीरी शाल चा एक प्रकार आहे.

(ii) कांथावर्क पंजाब चे सुप्रसिद्ध कला आहे.

(iii) कमळ आणि मन्दिर, कर्नाटकच्या कसुती चे प्रसिद्ध नमूने आहेत.

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(iv) लखनऊ ची चिकनकारी पोढ्ऱ्या मसलिन कापड़ पर केली जाते.

(v) पंजाबच्या फुलकारी वर्क मधे उभे, आड़वे आणि लांबी चे टांके ह्यायचे नसतात.

(vi) 'मोची भरत' ही कला कच्छ ची सुप्रसिद्ध कला आहे.

(vii) कापड़ांचे उरलेले लहान तुकड़े कापुन आणि एकमेकात जोडुन केल्या जाणारी कला म्हणजे एप्लिक वर्क होय.

(viii) नमदा आणि गाभा चांम्बा रुमाल चे प्रकार आहेत. 8

5. "भारताचे परंपरागत वस्त्र" या बद्दल सविस्तर लिहा. 8

किंवा

महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान आणि पंजाब या प्रदेशातले विविध पोषाखा बद्दल सविस्तार लिहा. 8

(हिन्दी माध्यम)

सूचना :— (1) **सभी** प्रश्न हल कीजिये।
(2) आवश्यकतानुसार आकृति बनाइये।

1. छोटी बालिका के लिये बाडीज बेसिक ब्लाक बनाकर बताइये। 8

अथवा

बाडीज बेसिक ब्लाक की सहायता से बालिका के लिये अम्ब्रेला फ्राक का डिजाइन बनाकर बताइये। 8

2. लिखें :
(i) फिटिंग समस्या की परिभाषा। 2
(ii) बगल में निर्माण होने वाली फिटिंग समस्या। 2
(iii) नुतनीकरण का महत्व। 2
(iv) पुराने परदे का नवीनीकरण। 2

www.sgbauonline.com